C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है।

गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने एक कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घिसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते हैं तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि...

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

1. किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र क्या है?
2. अवतरण में किसकी कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है?
3. एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के क्या सिद्ध हुए?
4. मार्ग में बोपदेव ने क्या देखा।
5. करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान- यह दोहा किसके द्वारा रचित है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड – ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- अर्जुन
- शीतलता
- दृष्टान्त

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए। [3]

- चाद

- हड्डिया

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- फतवा
- फर्श

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- आतक
- रग

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रचलित
- मँहगाई

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

प्रवास

संदर्भ

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए।

- अनुवाद
- उत्पात

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

क) अध्यापक कक्षा में आए

ख) सदैव आगे बढ़ते रहो रुकना मृत्यु का नाम है

ग) महात्मा गांधी को बापू कहते है

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- रमेश

- अंत:करण
- संहार
- चित्रांकन

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?
2. आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है?
3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?
4. बुढ़िया को कोई भी क्यों उधार नहीं देता?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।

1. महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था? [5]
2. 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना'- इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?
2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?
3. कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है?
4. 'रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

2. 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी-कभी कितनी मिथ्या और उलटी निकलती हैं'- का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. लेखिका की अनुपस्थिति में गिल्लू का अपने प्रिय खाद्य को न खाना क्या दर्शाता है?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

1. प्लास्टिक की थैलियाँ- एक अभिशाप
2. प्रकृति
3. इंटरनेट की दुनिया

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपके विदयालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया।
2. दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने के लिए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखें।

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

1.

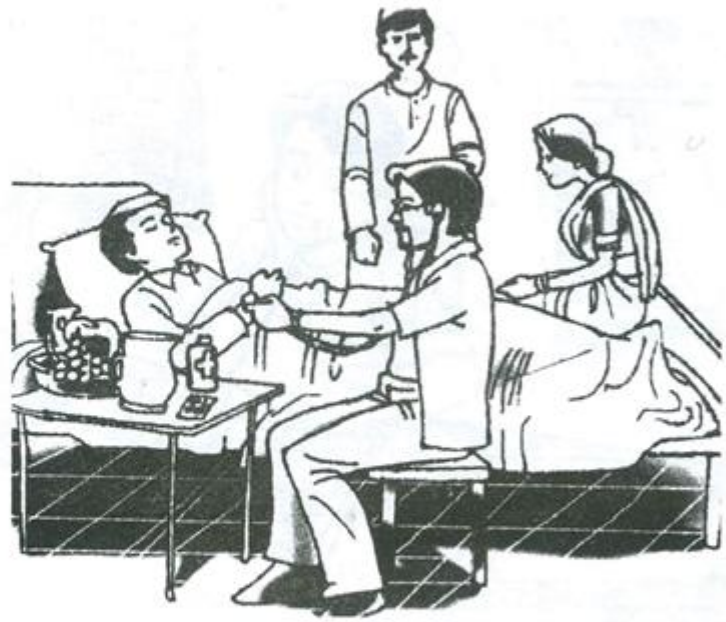

2.

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. चॉक और ब्लैक बोर्ड के मध्य संवाद लिखिए।
2. खाद्य-पदार्थो में होने वाली मिलावट के बारे में मित्र के साथ हुए संवाद को लिखिए।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए।

2. नयी खुली किताब की दुकान का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है।

गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने एक कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घिसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते हैं तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि...

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

1. किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र क्या है?
   उत्तर : किसी विषय या कला में प्रविणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है।

2. अवतरण में किसकी कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है?
   उत्तर : अवतरण में 'बोपदेव' की कहानी को प्रसिद्ध बताया गया है।

3. एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के क्या सिद्ध हुए?
   उत्तर : एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के वैयाकरण सिद्ध हुए।

4. मार्ग में बोपदेव ने क्या देखा।
   उत्तर : मार्ग में बोपदेव ने कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे।

5. करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान- यह दोहा किसके द्वारा रचित है?
   उत्तर : उपर्युक्त दोहा कबीर द्वारा रचित है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'निरंतर अभ्यास' है।

खंड – ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- अर्जुन- अ + र् + ज् + उ + न् + अ
- शीतलता- श् + ई + त् + अ + ल् + अ + त् + आ
- दृष्टान्त- द् + अ + र् + ष् + ट् + आ + न् + त् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए। [3]

- चाद - चाँद
- हड्डिया - हड्डियाँ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- फतवा - फ़तवा
- फर्श - फ़र्श

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- आतक - आतंक
- रग - रंग

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रचलित - इत
- मँहगाई - ई

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

प्रवास - प्र

संदर्भ - सम्

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए।

- अनुवाद - अनु+वाद
- उत्पात - उत्+पात

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

क) अध्यापक कक्षा में आए

उत्तर : अध्यापक कक्षा में आए।

ख) सदैव आगे बढ़ते रहो रुकना मृत्यु का नाम है

उत्तर : सदैव आगे बढ़ते रहो; रुकना मृत्यु का नाम है।

ग) महात्मा गांधी को बापू कहते है

उत्तर : महात्मा गांधी को 'बापू' कहते हैं।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- रमेश - रमा+ईश
- अंत:करण - अंत:+करण
- संहार - सम्+हार
- चित्रांकन - चित्र+अंकन

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. कीचड़ जैसा रंग कौन लोग पंसद करते हैं?

उत्तर : कीचड़ जैसा रंग कला प्रेमी, कलाकार और फोटोग्राफर बहुत पसंद करते हैं। गत्तों दीवारों और वस्त्रों पर यह रंग पसंद करते हैं।

2. आज धर्म के नाम पर क्या-क्या हो रहा है?

उत्तर : आज धर्म के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है, उन्हें ठगा जा रहा है और दंगे-फसाद किए जाते हैं और नाना प्रकार के उत्पात किए जाते हैं।

3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

उत्तर : नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को इतना अच्छा लगा कि वह भौंचक्की रही गई। वह एवरेस्ट ल्होत्से और नुत्से की ऊँचाइयों से घिरी बर्फ़ीली ढेढ़ी-मेढ़ी नदी को निहारती रही।

4. बुढ़िया को कोई भी क्यों उधार नहीं देता?

उत्तर : बुढिया का बेटा मर गया था इसलिए बुढ़िया को दिए उधार को लौटने की कोई संभावना नहीं थी। इस वजह से बुढ़िया को कोई उधार नहीं देता था।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।

1. महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था? [5]

उत्तर : महादेव जी प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। वे कर्तव्यनिष्ठ थे, विन्रम स्वभाव के थे। उनकी लेखन शैली का सभी लोहा मानते थे। वे कट्टर विरोधियों के साथ भी सत्यनिष्ठता और विवेक युक्त बात करते थे। महादेवी जी गांधी जी के सहयोगी थे। उनका अधिकतर समय गांधी जी के साथ देश भ्रमण तथा उनकी प्रतिदिन की गतिविधियों में बीतने लगा। वे समय–समय पर गांधी जी की गतिविधियों पर टीका–टिप्पणी करते रहते थे। देश में ही नहीं विदेश में भी लोकप्रिय थे। इन्हीं सब करणों से वे सबके लाडले थे।

2. 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना'- इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर : 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना'- इस पंक्ति का आशय है संबंधों में परिवर्तन आना। जो संबंध आत्मीयतापूर्ण थे अब घृणा और तिरस्कार में बदलने लगे। जब लेखक के घर अतिथि आया था तो उसके संबंध सौहार्द पूर्ण थे। उसने उसका स्वागत प्रसन्नता पूर्वक किया था। लेखक ने अपनी ढ़ीली-ढ़ाली आर्थिक स्थिति के बाद भी उसे शानदार डिनर खिलाया और सिनेमा दिखाया। लेकिन अतिथि चार पाँच दिन रुक गया तो स्थिति में बदलाव आने लगा और संबंध बदलने लगे। मधुर संबंध कटुता में परिवर्तित हो गए। सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गई। डिनर से खिचड़ी तक पहुँचकर अतिथि के जाने का चरम क्षण समीप आ गया था।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

उत्तर : बीमार बच्ची जो कि तेज ज्वर से ग्रसित थी। उसने अपने पिता के सामने देवी के चरणों का फूल-रूपी प्रसाद पाने की इच्छा प्रकट

की। इस इच्छा का कारण संभवत यह था कि उसे लगा कि देवी का प्रसाद पाकर वह ठीक हो जाएगी।

2. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता?

उत्तर : प्रेम आपसी लगाव, निष्ठा, समपर्ण और विश्वास का नाम है। यदि एक बार भी किसी कारणवश इसमें दरार आती है तो प्रेम फिर पहले जैसा नहीं रह पाता है। जिस प्रकार धागा टूटने पर जब उसे जोड़ा जाए तो एक गाँठ पड़ ही जाती है। अतः प्रेम संबंध बड़ी ही कठिनाई से बनते हैं इसलिए इन्हें जतन से सँभालकर रखना चाहिए।

3. कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है?

उत्तर : कवि ने 'अग्नि पथ' को संघर्षमय जीवन के प्रतीक स्वरुप प्रयोग किया है। कवि का मानना है कि मनुष्य का जीवन संघर्षों तथा कठिनाईयों से भरा है। उसे कदम-कदम पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

4. 'रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

उत्तर : रैदास ने अपने स्वामी को गुसईया, गरीब, निवाजु, लाल, गोबिंद, हरि, प्रभु आदि नामों से पुकारा है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : इस दुनिया में हर एक आदमी की प्रवृत्ति अलग होती है। कुछ लोगों की प्रवृत्ति दूसरों की मदद, भाईचारे की भावना फैलाना, सर्वस्व अर्पित करना होता है। वहीँ दूसरी ओर कुछ लोगों की

प्रवृत्ति हिंसात्मक, मुसीबतें बढ़ाने वाली, गलत राह की ओर ले जाने वाली आदि होती है। लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि इस संसार में विरोधाभास पाया जाता है जहाँ एक ओर मनुष्य दूसरों के दुखों का कारण बनता है वही पर दुःख निवारण भी करता है। अतः आदमी में कई तरह की प्रवृत्तियाँ पाई जाती है।

2. 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से अभिप्राय ऋतु परिवर्तन और एक लंबे अंतराल से है। जिस प्रकार एक ऋतु और दूसरी ऋतु के बदलने में काफ़ी समय लगता है ठीक उसी प्रकार कवि भी काफ़ी समय बाद अपने घर लौटे हैं। अतः उन्हें अपने घर को ढूँढने में मुश्किल हो रही है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी–कभी कितनी मिथ्या और उलटी निकलती हैं'- का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का आशय है कि मनुष्य हर स्थिति से निपटने के लिए तरह-तरह के अनुमान लगता है और भावी योजनाएँ बनाता है। परंतु उसकी सारी योजनाएँ सफल नहीं होती। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता। इससे कई बार मनुष्य निराश हो जाता है।

इस पाठ के लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने के तरह-तरह के अनुमान लगाए, योजनाएँ बनायीं और उसमे फेर-बदल भी करना पड़ा, अंततः उसे सफलता मिली।

2. लेखिका की अनुपस्थिति में गिल्लू का अपने प्रिय खाद्य को न खाना क्या दर्शाता है?

उत्तर : लेखिका के अनुपस्थिति में अपने प्रिय खाद्य को न खाना लेखिका और गिल्लू के बीच के आत्मीय संबंध, लगाव, स्नेह आदि बातों को दर्शाता है। लेखिका को कुछ दिन मोटर दुर्घटना में आहत होने के कारण अस्पताल में रहना पड़ा। इस बीच जब लेखिका का कमरा खोला जाता तो गिल्लू अपने घोसलें से उतरकर लेखिका से मिलने की आशा में दौड़ पड़ता परंतु लेखिका के स्थान पर किसी अन्य को देखकर गिल्लू पुनः अपने घोसलें में लौट जाता। इन दिनों उसे उसका प्रिय खाद्य काजू दिया जाता था परंतु लेखिका को कमरे में न पाकर तो वह अपने प्रिय खाद्य को भी नहीं खाता था।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

प्लास्टिक की थैलियाँ- एक अभिशाप

आधुनिक काल में विज्ञान ने जहाँ मनुष्य को अनेक सुख-सुविधाएँ प्रदान की हैं, वहीं विज्ञान ने अनेक भयंकर समस्याओं को भी जन्म दिया है। उन समस्याओं में प्लास्टिक की समस्या भी ऐसी ही समस्या है। आज से 20-25 वर्ष पूर्व इस प्रकार की कोई समस्या नहीं थी, लोग सामान लाने के लिए कपड़े के थैलों का प्रयोग करते थे और छोटे सामान के लिए कागज़ के लिफाफों का उपयोग होता था, किंतु आज सड़क, बाग-बगीचे हर जगह प्लास्टिक की थैलियाँ उड़ती दिखाई देती हैं। प्लास्टिक की ये थैलियाँ अनेक रोगों का कारण तो बनती ही हैं, पशुओं की मौत का कारण भी हैं। यदि इन्हें जलाया जाता है तो इनका दुर्गंध युक्त धुआँ श्वास संबंधी रोगों का कारण बनता है। आज इस प्रकोप से बचने का

सबसे अच्छा उपाय है कि इनका उपयोग बंद कर दिया जाए। इस प्रकार समाज को सचेत कर प्लास्टिक के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

प्रकृति

मनुष्य प्रकृति से सदा से जुड़ा हुआ है। प्रकृति परमात्मा की अनुपम कृति है। प्रकृति का पल-पल परिवर्तित रुप उल्लासमय है, हृदयाकर्षक है। वह सर्वस्व लुटाकर भी हँसती रहती है। प्रकृति अपने हजार रूपों में हमारे सामने खुशियों का ख़जाना लाती है। प्रकृति हमें सिखाती है कि जीवन हरपल आनंद से सराबोर है। नदियों का कल कल करता संगीत, झूमते गाते पेड़, एवं छोटे छोटे जीव हमें सिखाते हैं कि जीवन को ऐसे जियो की जीवन का हर पल खुशियों की सौगात बन जाये। प्रकृति की गोद में वो सुख है, जो हज़ारों की संपत्ति पाकर भी नहीं मिलता। इसके सानिध्य में रहकर मनुष्य जीने की प्रेरणा पाता है।

इंटरनेट की दुनिया

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंकों, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी। इसका दुरुपयोग भी होता है- वाइरस, अश्लील तस्वीरें

भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह इंटरनेट से प्राप्त होने वाली सुविधाओं का सही और उचित प्रयोग करें। साथ ही सभी को इंटरनेट के उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपके विदयालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया।

छात्रावास

यशवंत स्कूल,

नई दिल्ली।

दिनाँक- 8 नवंबर, 20XX

पूजनीय माताजी,

सादर चरण स्पर्श।

आशा हैं कि आप सकुशल एवं स्वस्थ होंगे। मैं ठीक हूँ और परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूँ।

आज मेरे विदयालय में वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसमें अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 'अंधेरी नगरी चौपट राजा' नामक नाटक का मंचन भी किया गया। इस कार्यक्रम की तैयारी कई दिन पहले ही आरंभ हो गई थी। इस कार्यक्रम के लिए सभी विद्यार्थियों को कुछ न कुछ जिम्मेंदारी दी गई थी। मुझे मुख्य अतिथि की देखरेख की जिम्मेंदारी सौंपी गई थी। मुझे पूरे समय उनके साथ ही रहना था ताकि उन्हें जो भी चाहिए उसकी व्यवस्था में शीघ्र करवा दूँ।

आपके आर्शीवाद से मैंने अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह निभाई। अतिथि, मेरे शिक्षक से मेरी बहुत प्रशंसा कर रहे थे।

पिताजी को मेरा प्रणाम एवं छोटी को मेरा प्यार दीजिएगा।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

गौरव

अथवा

2. दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने के लिए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखें।

सेवा में,

सम्पादक

नव जागरण,

नई दिल्ली।

दिनाँक: 30 दिसंबर 20xx

विषय: दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने हेतु पत्र।

महोदय,

यह बात तो सर्वविदित है कि आज हमारे पूरे देश में दहेज प्रथा का दानव हम सभी को डस रहा है। इस प्रथा के कारण हमारी नव-वधुओं तथा उनके माता-पिता का जीवन तलवार की धार पर चलने से भी कष्टमय हो गया है। दहेज की वेदी पर कितनी ही अबलाओं की बलि पहले भी चढ़ चुकी है, और अब भी चढ़ रही है।

सबसे दुखद बात तो यह है कि दहेज-प्रथा कम होने के स्थान पर निरंतर बढ़ती ही जा रही है। दहेज के लोभी अमानवीयता तथा पाशविकता को गले लगाने में जरा सा भी संकोच नहीं करते हैं।

वे नववधुओं को कभी जलाकर, तो कभी जहर देकर मार देते हैं, कितनी ही अबलाएँ तो दहेज-प्रताड़नाओं से दुखी होकर आत्महत्या ही कर लेती हैं, जो देश के नाम पर कलंक है।

अतएव आपसे सादर प्रार्थना है कि आप अपने लोकप्रिय समाचार-पत्र में इस संबंध में एक ऐसा प्रभावशाली लेख प्रकाशित करे, जिससे दहेज-लोभी मानव रूपी दानव का मुँह काला हो जाए तथा नव-वधुओं को अपने जीवन से हाथ न धोना पड़े। इसके लिए हम सदैव दिल से आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

सौरभ गुप्ते

शक्करपूर,

दिल्ली।

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

प्रस्तुत चित्र में हमें शय्या पर लेटा बीमार बच्चा दिखाई दे रहा है। रोगी के पास एक डॉक्टर, बच्चे की माँ और उसके पिता दिखाई दे रहे हैं। डॉक्टर इस समय अपने स्टेथोस्कोप से मरीज की जाँच कर रहा है। पास में मेज पर फल और दवाईयाँ रखी हैं जिससे ज्ञात होता है कि वह काफी दिनों से बीमार है। बच्चे की माँ अपने बच्चे को लेकर काफी चिंतित नजर आ रही हैं।

अथवा

उपर्युक्त चित्र हमें कुछ दमकल कर्मचारी दिखाई दे रहे हैं। चित्र में हमें भंयकर आग की लपेटें नजर आ रही हैं। दमकल कर्मचारी आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। दमकल कर्मचारी के हाथों में पानी का पाइप भी दिखाई दे रहा है उससे ही वह इस भयंकर आग को बुझाने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस प्रकार के कामों में कई बार जान का धोखा भी होता है। दमकल कर्मचारी आग की परवाह न करते हुए अपनी जान पर खेलकर लोगों की सहायता करते हैं।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. चॉक और ब्लैक बोर्ड के मध्य संवाद लिखिए।

चॉक : अरे ब्लैक बोर्ड, मैं तो लिखते-लिखते घिस जाता हूँ।

ब्लैक बोर्ड : हाँ, वैसे तो तुम सही कह रहे हो। परंतु लिखते-लिखते मेरी चमक भी तो फीकी पड़ जाती है।

चॉक : लेकिन, कुछ भी कहो ब्लैक बोर्ड जब हम दोनों के उपयोग से बच्चे जब कुछ नया सीखते हैं, तो बड़ा आनंद होता है।

ब्लैक बोर्ड : हाँ, यह तो तुमने सौ प्रतिशत सच कहा।

चॉक : नन्हें-नन्हें बच्चे जब मुझे हाथ में लेते हैं तो मुझे अतिशय आनंद होता है।

ब्लैक बोर्ड : हाँ, तुमने सच कहा यही बच्चे जब मुझ पर चित्रकारी करते हैं तो आनंद ही आ जाता है। उनकी आड़ी-तिरछी लकीरें, जानवरों के हास्यापद चेहरे देखकर तो मजा ही आ जाता है।

अथवा

2. खाद्य-पदार्थो में होने वाली मिलावट के बारे में मित्र के साथ हुए संवाद को लिखिए।

राहुल : अजय कैसे हो? कल कहाँ थे?

अजय : अरे, कल तो मेरी तबियत बहुत खराब हो गई थी।

राहुल : क्या हो गया?

अजय : पेट में इन्फेक्शन हो गया था।

राहुल : कैसे?

अजय : परीक्षा नजदीक आ रही है इसलिए में बाहर का कुछ नहीं खाता। पर परसों हम जब कॉलेज से घर जा रहा था तो मैंने सोचा जूस पी लू स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। परंतु पता नहीं उसने उसमें पानी मिलाया होगा या फल ही खराब इस्तेमाल किए होंगे। उसे पीने के करीब एक घंटे बाद ही मेरी तबियत खराब हो गई।

राहुल : हाँ, आजकल तो हर जगह मिलावट है। अनाज में, दूध में। फलों को भी इंजेक्शन देकर पका लेते है।

राहुल : खाने-पीने की चीज़ों में तो इनको मिलावट नहीं करनी चाहिए। यह किसी की जान भी ले सकती है।

अजय : इन्हें तो बस पैसे से मतलब है, इंसानियत से कोई लेना-देना नहीं।

राहुल : सही कहते हो। सरकार को ही ज्यादा से ज्यादा जाँच करवानी चाहिए और ऐसे मिलावट करनेवालों को कड़ी सज़ा देनी चाहिए।

अजय : हाँ, तभी सुधार होगा।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए।

उजाला

'बेदाग सफाई, सिर्फ़ दस रूपए में उजाला है लाई'

बेदाग सफाई पानी है,

कीमत भी बचानी है,

घर ले जाओ उजाला ही,

खुशियों की चाबी है ।

2. नयी खुली किताब की दुकान का विज्ञापन तैयार कीजिए।

नहीं घूमना पड़ेगा दस जगह

जब किताबघर है आपके यहाँ

हमारे यहाँ नयी, पुरानी, पढ़ाई, खेल, रसोई ....सारी क़िताबें उपलब्ध हैं

अपना मार्केट ,दिल्ली